सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

खंड 1 अंक 5 | जुलाइ 2013 | केवल निजी प्रसार हेतु

भारत में कानूनी शिक्षा में आवश्यक दूरगामी सुधाररू नैतिक चिंताओं को ध्यान में रखा जाए

कोरा जॉय, छात्र, कानून विभाग द्वारा रिपोर्ट

न्यायधीश पी.सी.कुरिआकोसे ने कहा ष्भारत एक तेजी से वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में एकीकृत हो रहा है और हमारे भ. ावी वकीलों और न्यायाधीशों को प्रभावी रूप से वैश्विक व्यापार और वाणिज्य के कानूनी पहलुओं के साथ सौदा करने के लिए एकाधिक न्यायिक प्रक्रिया से परिचित होना होगा,ष्अपने मुख्य वक्तव्य में, सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने भारत में कानूनी शिक्षा का भविष्य, पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में रोमनों के समय से कानूनी शिक्षा के लंबे इतिहास पर विस्तार से चर्चा की.

एक सुहाने दिन, 10 जून को नामग्याल इंस्टिट्यूट ऑफ तिबेतोलोजी में सम्मलेन की शुरुआत हुई.काले और सफेद कपड़े पहने लॉ विभाग के छात्र चहल–पहल के साथ तैयारियों को अंजाम दे रहे थे. सिक्किम पुलिस के वीर दल और सिक्किम विश्वविद्यालय के संकाय मुख्य अतिथि श्आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे.

कार्यक्रम कुलपति प्रो टीबी सुब्बा के एक छोटे और जानक. ारीपूर्ण स्वागत भाषण के साथ सुबह 10 बजे शुरू हुआ.इसके बाद कार्यक्रम अध्यक्ष, सिक्किम विशवविद्यालय की कुलाधिपति (चांसलर) सेवानिवृत न्यायधीश रुमा पल का वक्तव्य हुआ.उन्होंने भारत में □ानूनी शिक्षा की वर्तमान स्थिति को सबके सामने रखा.उन्होंने हमारे देश में कानूनी शिक्षा के भविष्य के लिए एक योजना (रोड मैप) तैयार करने की आवश्यकता पर बात की. उन्होंने भारत में विधि संस्थानों को दो तरह का बताया. सामान्य लॉ कॉलेजों के रूप में एनएलएसआइयू, एनएएलएसएआर आदि जैसे मुख्यधारा के विधि संस्थान और श्दूसरोंश के रूप में अन्य संसथान. उन्होंने बताया कि कैसे मुख्यधारा के विधि संस्थानों के छात्रों ने दुसरे संस्थानों से बेहतर प्रदर्शन किया है. उन्होंने कहा कि इसलिए, यह आवश्यक है कि हमारे देश में कानूनी शिक्षा के भविष्य की योजना सावधानी पूर्वक बनाई जाए.

न्यायमूर्ति पीसी कुरिआकोसे ने दो दिन के लिए माहौल तैयार कर दियारू उन्होंने बताया कि कैसे बयान बाजी के रूप में विधि शिक्षा का अभ्यास हमेशा से अस्तित्व में रहा है.उनके दिए गए विषय–परिचय ने एक बहुत मजबूत आधार दिया और भीड़ के साथ बहुत प्रभावशाली प्रतीत हुआ. जैसे–जैसे आधुनिक समय नजदीक आया, □ानूनी शिक्षा और अधिक सुगठित और व्यवस्थित होती उन्होंने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अविष्कारों और इस के साथ साथ, व्यापार और वाणिज्य के साथ दुनिया ने तरक्की की है.इसने विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के साथ कानूनी सहायता की एक नई श्रेणी की मांग को जन्म दिया है. न्यायमूर्ति कुरिअकोसे कि ने कहा कि वे चाहते हैं को छात्र खुद को सभी □ानूनी पहलुओं में समग्र रूप से विकसित करें. उन्होंने यह सुझाव भी दिया कानून को कानून की तरह ही प□ाया जाए न कि अकादमिक माध्यम से. उन्होंने अपनी इस बात पर जोर दिया कि महान वकील □ानूनी फार्मों के माध्यम से तैयार नहीं होते बल्कि न्यायलय के कमरों में व्यावहारिक अनुभव से होते हैं.

सिक्किम के राज्यपाल एवं सिक्किम विश्वविद्यालय के चीफ रेक्टर श्री बी.पी.सिंह ने कानूनी प्रणाली में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में और कैसे वैश्वीकरण द्वारा कि जा रही कानूनी सहायता की एक नई तरह की मांग की बात की.उन्होंने यह भी कहा कि विधि महाविद्यालयों की स्थिति में सुधार किया जाना चाहिए क्योंकि ये अभी आवश्यकतानुरूप कार्यकुशल नहीं हैं. ये बातें श्अन्यश श्रेणी में आने वाले कॉलेजों के बारे में कही गईं. उन्होंने सिक्किम विश्वविद्यालय को इस तरह के एक सम्मेलन का आयोजन करने और एक अच्छा कानून विभाग विकसित करने के लिए इस तरह के प्रयासों के लिए बधाई दी. अपने भाषण के समापन से पहले, उन्होंने भारत में हमारे संविधान और कानून के विकास पर एक छोटा सा परिचय दिया.

उद्घाटन सत्र एक स्मृति चिन्ह और पारंपरिक श्गमोसाश से मेहमानों के सम्मान के साथ समाप्त हुआ.इस अवसर की स्मृति में मुद्रित स्मारिका रिलीज की गई. सिक्किम विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री के.एम.देब ने धन्यवाद ज्ञापित किया.उद्घाटन के बाद गोल मेज सत्र हुए जिनमे विधि शिक्षकों ने विधि शिक्षा के मुद्दों पर चर्चा कि.सम्मेलन और गोलमेज में भाग लेने वाले लोगों में न्यायमूर्ति एस.पी.वांग□ी , प्रो एन.आर.माधव मेनन, प्रो बी.एस.चिमनी, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ए.पी. सुब्बा, प्रो.सी.राजकुमार,प्रो.एस.गुरपुर, प्रो फै□न मुस्तफा और डॉ. डोमा

ये भी पढ़िए

-डॉ तमाल गुहा की सिक्किम विश्वविद्यालय से विदाइ... पृ ठ 2

-सेमिनार/सम्मेलन/प्रकाशन... पृ ठ 3

-किताब: अमुल्स इंडिया... पृ ठ 3

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

पृष्ठ 2

खंड 1 अंक 5 | जुलाइ 2013 | केवल निजी प्रसार हेतु

भूटिया थे.

समापन भाषण न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रूमा पाल ने दिया और श्री K. T. Gyaltsen, अध्यक्ष, सिक्किम विधान सभा के अधिकारी उपस्थित थे.दो दिवसीय सम्मेलन की कार्यवाही के आधार पर एक घोषणा घटना का अंत हो गया.

ड० तमाल गुहा की सिक्किम विश्वविद्यालय से विदाई

डॉ.तमल गुहा, लाइब्रेरियन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में मुख्य लाइब्रेरियन के रूप में जु□ने के लिए विश्वविद्यालय को अलविदा कहा.डा. गुहा ने अगस्त 2011 में सिक्किम विश्वविद्यालय से जु□ थे.यहां आने के समय से ही डा. गुहा पुस्तकालय के निर्माण में शामिल रहे हैं और उनके योगदान से आरएफआईडी प्रणाली की स्थापना, विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों के लिए पुस्तकें जारी करने के लिए अत्याधुनिक सुविधा संभव हो सकी.अपने कार्यकाल के दौरान, डा. गुहा को पुस्ताकलय संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि और स्वचालन प्रणाली का श्रेय जाता है.

डा. गुहा जून को 20,2013 को एक विश्वविद्यालय से विदाई दी गई जिसमें उनके सहकर्मियों और संकाय सदस्यों द्वारा पुस्तकालय के निर्माण में उनके योगदान को याद किया गया.

संपादक की कलम से

यह महीना गतिविधियों से भरपूर था.स्प्रिंग सेमेस्टर 2012–13 समाप्त हो गया है और छात्र आपने उन साथियों के लिए विदाई सम. ारोहों में व्यस्त थे जो अपनी स्नातकोत्तर तथा अन्य परीक्षाएं समाप्त करने के कगार पर थे. उनमें से अधिकांश छुट्टी पर अपने घर चले गए और कई जिनको रीतिगत विदाई दी गई, वे विश्वविद्यालय से शोध–छात्र के तौर पर पुनरू जुडेंगे.

जो विद्यार्थी जुलाई 2012 सेसिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, तादा. ग में राजनीति विज्ञान, इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, वाणिज्य और गणित आदि विषयों में स्नातकोत्तर स्तर पर प□ रहे हैं वे 1 अगस्त 2013 सिक्किम विश्वविद्यालय में आपने तीसरे सेमेस्टर और आगे की पढाई करेंगे.इसके अलावा, शैक्षणिक वर्ष 2013–14 के लिए विश्वविद्यालय में छह नए विभागों होंग और इनमे दाखिले जुलाई के दौरान हो जाएगे तथा विश्वविद्यालय 1 अगस्त 2013 को फिर से खुल जाएगा.

जून 2013 सभी संकाय सदस्यों के लिए व्यस्त रहा. वे मौज. ूदा पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव करने में व्यस्त रहे. यह आवश्यक पाया गया और इन परिवर्तित पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा, सत्र 1 अगस्त 2013 को शुरू होने से पहले शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी.

मानसून पूर्व बारिश के साथ, हम 1 अगस्त 2013 को नए शैक्षणिक सत्र के लिए तैयार हो रहे हैं. इस बीच, डॉ. निश्चल वंजरी, सहायक प्रोफेसर, पृथ्वी विज्ञान विभाग, हमें इस अंक के लिए श्अमूल कहानीश का ब्यौरा दे रहे हैं.

डॉ. वी. कृष्ण अनंत
संपादक

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

पृष्ठ 3

खंड 1 अंक 5 जुलाइ 2013 केवल निजी प्रसार हेतु

सेमिनार / सम्मेलन

समर सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, नेपाली भाषा और साहित्य विभाग, को सिधबरी, कांग□ा घाटी,हिमाचल प्रदेश 26 मई से 14 जून 2013 तक के लिए, स्प्पैड 7 (भारतीय पहाड़ों में भाषाविज्ञान स्प्रिंग स्कूल), थ्पैस् के तत्वावधान में आयोजित (सिंटेक्स में औपचा. रिक अध्ययन – अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध सालाना ग्रीष्म–कालीन अध्ययन के 7 वें संस्करण के लिए चयनित किया गया. उन्होंने श्डब. लिंग इन इंडियन साइन लैंगुवेजश और श्इर्गातिविटी इन नेपालीश विषय पर अपना शोध प्रस्तुत किया.

संगमो थेन्दुप, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर, डबरोवनिक, क्रोएशिया में मई 2013 23 से 26 तक हए तीर्थयात्रा और अवशेष पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और श्बौद्ध धर्म में तीर्थयात्रा और अवशेष का महत्वष् शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया.

प्रकाशन

डo. नूतन कुमार थिन्गुजाम का भारतीय बिजनेस रिसर्च जर्नल में प्रकाशित लेख ष्मंदी और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों की नौकरी से संतुष्टिष् को श्लितरेती नेटवर्क अवार्ड्स फॉर एक्सीलेंसश में श्हाईली कमेन्टेड अवार्ड विनरश के रूप में चुना गया है. डॉ कुमार मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर है.

डo वी. कृष्ण अनंत, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग. आम चुनावश क्यों एक तीसरे मोर्चे का विचार मात्र बयानबाजी है ष म्बवदवउपबज्पउमे, 16 जून, 2013. http://articles-economictimes-indiatimes-com/2013&06&16/news/39993460_1_third&front&anti&congress&coalition&the&bjp

पृवत गिरि, एमफिल शोधार्थी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ट्रीवियालाईजिंग द लिंगरी इशु, द हूट http://www-thehoot-org/web/Trivialising&the&lingerie&issue/6818&1&1&1&true-html

किताबें

अमुल्स इंडिया

दाकुन्हा कम्युनिकेशंस द्वारा अमूल विज्ञापन के 50 साल के आधार पर

पृष्ठ 212. मूल्य 299 रुपए, कोलिन्स बि. जनेस 2012.

डo. निश्चल वंजरी

सहायक प्रोफेसर, पृथ्वी विज्ञान विभाग

शुभंकर (डेंबवज)

उच्चारणरू ६ ऊेां□ज ६ संज्ञा रू एक व्यक्ति या वस्तु, विशेष रूप से एक खास संगठन या घटना से जुड़ा हुआ जो शुभ माना जाता है. ओईडी (व्क्)

वर्षों से उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हमने कई शुभंकरों को देखा है. मेरी सबसे पुरानी स्मृति में अपने देसी शुभंकर अप्पू, एशियाड खेलों के शुभंकर और अस्सी के दशक की शुरुआत में एयर इंडिया के महाराजा आदि हैं.फिर नब्बे के दशक में खेल की घटनाओं, एफएमसीजी उत्पादों और सूर्य के तहत व्यावहारिक रूप से सब कुछ एक शुभंकर के साथ जुड़े थे के साथ इन शुभंकर का एक निहत आया. ये शुभंकर एक शेल्फ जीवन के साथ आया था और उस पर एक बहुत छोटे से एक, वे मुश्किल से घटनाओं, लक्षित दर्शकों की चंचल ध्यान अवधि ब्रांड प्रमोटरों और पाठ्यक्रम की कल्पना की अवधि तक चली. ये शुभंकर एक पहचान, शायद एक ब्रांड याद मूल्य लेकिन दुख की बात नहीं व्यक्तित्व था. हम एक विशेष चिह्न प्रतिक्रिया या हमारे जीवन में, असली दुनिया में, ब्रांड के दायरे से परे व्यवहार करेगा कैसे कभी नहीं सोचा था.

शुक्र है कुछ बुद्धिमान लोग हमें शासन करने के लिए एक अपवाद दिया और जीवन एक विस्तृत आंखों सुंदर लड़की को ले आया, उसके होंठ चाट, एक मेल धनुष और सबसे महत्वपूर्ण बात एक पहचान और दावा करने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ बंधे नीले बालों के साथ एक पोल्का डॉटेड पोशाक में पहने . वह आश्चर्य और जिज्ञासा की भावना के साथ दुनिया में आया था और धीरे – धीरे हमारे जीवन में और हमारे दिलों में उसकी स्थिति के लिए साल के माध्यम से बड़ा हो गया. वह पिछले पांच दशकों में एक प्रभावशाली + 2400000000 संपत्ति के लिए एक वर्णनातीत छोटे सहकारी प्रयास किया गया है.आज तक वह एक अद्भुत किसी भी व्यक्तित्व में रूप के लिए क्षमता और वेग के साथ और अनिवार्य पंच और श्लेष के साथ निश्चित रूप से यह माध्यम से ले जाने के साथ, एक बेनाम गोद का बच्चा है.

हाँ, ये है अटरली बटरली डिलीशियस अमूल गर्ल

पिछले महीने बूंदा–बांदी के रुकने का इंतजार करते हुए मैं रचना–बुक्स पहुँच गया और मेरी नजर श्अमूल इंडियाश पुस्तक पर

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

पृष्ठ 4

खंड 1 अंक 5 जुलाइ 2013 केवल निजी प्रसार हेतु

प□ी.यह अमूल, अमूल गर्ल, ब्रांड के पीछे दूरदर्शी के लिए एक अद्भुत श्रद्धांजलि है, है और निश्चित रूप से यह भारत और उसके लोगों के लिए भी एक अनूठी श्रद्धांजलि है.

पुस्तक अमूल गर्ल के साथ भारत के पांच दशकों की यात्रा पर ले चलती है.यह संक्षिप्त रूप से हमें किताब की अवधारणा और डॉ कुरियन के स्वप्न के अमूल के इतिहास, और अदभुत विज्ञापन की अवधारणा से परिचित कराती है.पुस्तक उन सबसे बहुप्रतीक्षित साप्ता. हिक होर्डिंग तक ले जाती है, और इस सप्ताह के विषय लेने के लिए बुद्धिशीलता सत्र की चुनौतियों के लिए हमें परिचय है, अवधारणा तैयार करना और यह डिजाइन और अंत में देश भर के उन 90 होर्डिंग्स, 22 अखबारों, अमूल वेबसाइट और आजकल फेसबुक और ट्विटर पर पहुँचता है.

पुस्तक के रूप में स्वादिष्ट और इसके पीछे विचार (मक्खन) के रूप में के रूप में ताजा है और आप शायद ही कभी एक मुस्कान या विषाद की भावना के बिना एक पृष्ठ पलता जाएगा. श्अमूल यात्राश अमूल के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े लोगों के एक समूह द्वारा प्रस्तुत की गई है. दाकुन्हा एजेंसी के सिल्वेस्टर और राहुल दाकुन्हा की पिता पुत्र की जोड़ी परीक्षण, और अपनी स्थापना के बाद से अमूल ब्यौरे का बयान करते हैं.

मार्केटिंग गुरु संतोष देसाई सावधानी से पिछले पांच दशकों के माध्यम से अमूल विज एक विज भारत के विकास का इतिहास लिखा गया है.लगातार अमूल गर्ल देर से सत्तर के दशक, मंडल आयोग, दक्षिण पंथियों, और भ्रष्ट नेताओं और सरकारी आंकड़ों में नस. बंदी की तरह भी संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर कोई टिप्पणी करने से गुरेज नहीं किया है.वर्षों से वह भी अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उसके कौशल आयोजित किया गया है और किया गया है का स्वागत करते हैं और धिक्कारना अमेरिकी राष्ट्रपतियों, ब्रिटिश रॉयल्टी और खेल और फिल्म माउस को भी नहीं बख्शा गया हाँ चुटकी ली.

मनीष झावेरी और साइरस ब्रोचा ने होर्डिंग्स के लिए शहिंग्लिश श्लेषश (चनदे) को जन्म देने की श्रमसाध्य क्षणों की सच्चाईयों का खुलासा किया. आलिक पदमसी अभियान के साथ अपने जु□ होने की बात करते हैं और वह इसके बारे में एक भी बात न बदलने के लिए अपना संकल्प दोहराते हैं.उपन्यासकार शोभा डे आत्मा और शरीर, दोनों में अमूल गर्ल में जीवन भरती हैं.वह अमूल लड़की के व्यक्तित्व की, मुखर उग्र और बहुश्रुत सार निशा दा कुन्हा, सिलवेस्टर दा कुन्हा की पत्नी और राहुल की मां पर आधारित है कि एक मामला बन गया है.डी के सिद्धांत निशा मुंबई और निशा के समर्थक महिलाओं में सेंट जेवियर में उसे अंग्रेजी ध साहित्य पढ़ाया जाता है कि इस तथ्य से आता है, प्रगतिशील, विरोधी एमसीपी रुख स्पष्ट रूप से अमूल होर्डिंग पर परिलक्षित होता है.

अमूल और दो रुपए प्रत्येक योगदान करके गुजरात के 5,00,000 किसानों द्वारा उत्पादित बाद में पौराणिक ष्मंथनष् के लिए कम विज्ञापन फिल्मों और वृत्तचित्रों कर रही है जबकि उन्होंने अपने अनुभवों के शेयरों के रूप में किताब में मेरी पसंदीदा टुकड़े में से एक श्याम बेनेगल द्वारा है.फिल्म को एक बड़ी सफलता साबित हुआ और अभी भी दूध सहकारी समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए नेशनल डेयरी बोर्ड द्वारा किया जाता है.

किताब में यह भी उन होर्डिंग पर लोगों को एक उचित हिस्सा देता है. सफलताओं, विफलताओं, मूर्ख उतार सरासर अथक भावना है जो व्यक्तित्व भी जा रहा देश अमूल गर्ल द्वारा जांच के अध ीन होने पर अपनी भावनाओं को आवाज जाता रहता है.

किताब में यह भी भारत में सबसे बड़ी धर्मों में से दो से व्यक्तित्व सुविधाएँ, बॉलीवुड और क्रिकेट हाँ.यह अमिताभ बच्चन वह पर छापा गया है होर्डिंग एकत्र करता है जानने के लिए खुशी की बात थी.कट कर दिया है जो अन्य अभिनेताओं के तीन खान, संजय दत्त, रितिक रोशन, अभि ऐश जोड़ी और एक और केवल विद्या बालन हैं.वे अतीत के सितारों के लिए कुछ पन्नों बख्शा जा सकता था होर्डिंग के बारे में क्या कहना था पता लगाने के लिए प्यार होता काश, दिलीप साब, अशोक कुमार और कपूर खानदान की.

क्रिकेटर सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़ और हर्षा भोगले के द्वारा प्रतिनिधित्व किया है और आप भी सचिन, ठींररप`संचहंजम, कपिल के डेविल्स द्वारा 83 विश्व कप की जीत का एक स्वादिष्ट गिरोह मिल गया है. सानिया मिर्जा भी विशेष रूप से अपने पति के साथ होर्डिंग, पर सजी किया जा रहा है के सम्मान बताता है.

किताब में यह भी अलग जायके में श्बेस्ट की अमूल ष्स्लाइस के रूप में टोस्ट को जन्म देती है.सितारों की नोक–झोंक, घोटाले, विश्व की घटनाओं, कालातीत अमूल और सत्ता के गलियारों के जायके अद्भुत और उल्लेखनीय हैं.इन वर्गों को एक सामाजिक टीकाकार की है कि एक विपणन नाटक से अमूल लड़की की वृद्धि रिकॉर्ड और भ. ारतीय होने के सही मूल्यों और नैतिकता के बारे में हमें याद दिलाता है, और इंसान की जिम्मेदारी लेता है.

अंत में किताब हमें एक मार्मिक मो□ पर हमें छोड़ देती है, यह सिर्फ अमूल के लिए दूध लाने वाले किसानों के उन लाखों लोगों की तरह, सरासर उनके माथे का पसीना, उनके सपने और उनकी सरलता से असाधारण में साधारण बना दिया जो किंवदंतियों के लिए दिन प्रतिदिन अमूल की विदाई दर्ज करता है.